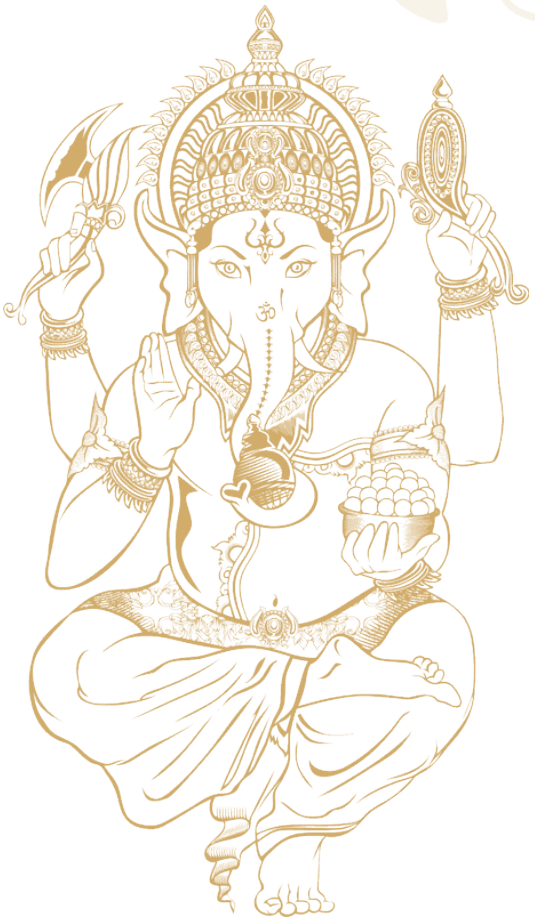

A

S

Model: Love-Horoscope

Order No: 121425701

Model: Love-Horoscope

Order No: 121425701 Date: 27/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/04/1989	जन्म तिथि	07/07/1994
गुरु-शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 55:22:53	जन्म समय(घटी)	40:49:17 घटी
India	देश	India
Kalka	स्थान	Solan
30:50:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
76:55:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:50	सूर्योदय	05:24:23
18:44:55	सूर्यास्त	19:28:15
23:42:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:04

कुम्भ	लग्न	कुम्भ
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मेष	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अश्विनी	नक्षत्र	आर्द्रा
केतु	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	1
वैधृति	योग	ध्रुव
बव	करण	शकुनि
चे-चेतन	जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
अश्व	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मार्जार

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 5मा 24दि		12:14:24	कुंभ	लग्न	कुंभ	02:25:22	राहु 17वर्ष 2मा 24दि	
चन्द्र		23:23:36	मीन	सूर्य	मिथु	21:31:50	गुरु	
01/10/2019		04:47:32	मेष	चंद्र	मिथु	07:14:02	01/10/2011	
30/09/2029		22:33:56	वृष	मंगल	वृष	08:51:56	01/10/2027	
चन्द्र	31/07/2020	25:58:22	मीन	बुध	मिथु	05:39:52	गुरु	18/11/2013
मंगल	01/03/2021	10:52:25	वृष	गुरु	तुला	11:01:47	शनि	01/06/2016
राहु	31/08/2022	23:53:52	मीन	शुक्र	सिंह	02:07:41	बुध	07/09/2018
गुरु	31/12/2023	20:00:30	धनु	शनि व	कुंभ	18:26:44	केतु	14/08/2019
शनि	01/08/2025	10:26:10	कुंभ व	राहु व	तुला	28:54:39	शुक्र	14/04/2022
बुध	31/12/2026	10:26:10	सिंह व	केतु व	मेष	28:54:39	सूर्य	31/01/2023
केतु	01/08/2027	11:37:21	धनु	हर्ष व	मक	00:57:27	चन्द्र	01/06/2024
शुक्र	01/04/2029	18:39:42	धनु	नेप व	धनु	28:22:01	मंगल	08/05/2025
सूर्य	30/09/2029	20:49:22	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	01:43:12	राहु	01/10/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:42:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:04

लग्न-चलित

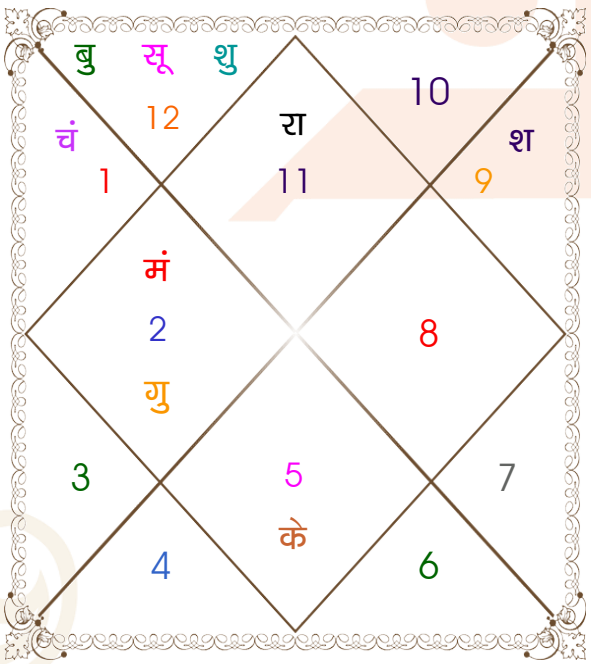

लग्न-चलित

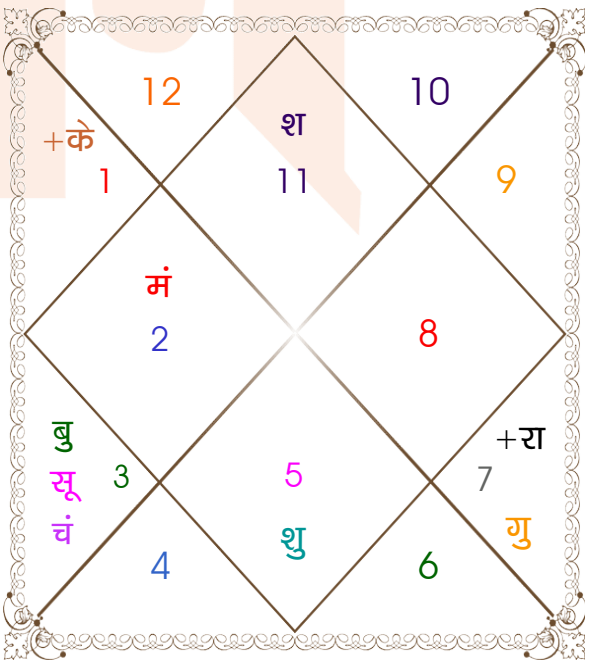

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : **19 / 36**

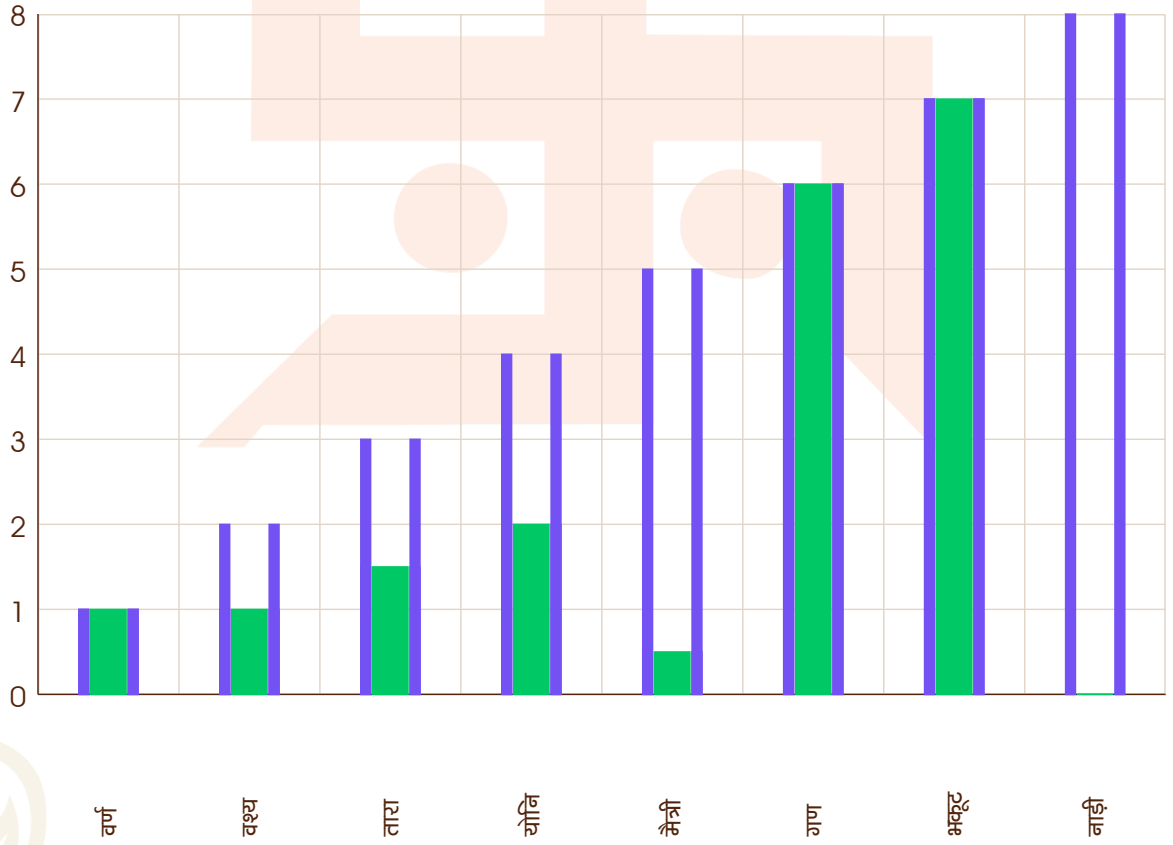

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक हS क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं हS क्योंकि S का नक्षत्र आर्द्रा है।

A का वर्ग सिंह हS तथा S का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और S का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु A कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

S मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित हS अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा S में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

A का वर्ण क्षत्रिय तथा S का वर्ण शूद्र हैA अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान हैA जिसके प्रभाव से S वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगीA साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा A से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगीA अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

A का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु हS एवं S का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य हS अतः यह मिलान औसत मिलान होगाA यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हंS अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगेA फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता हैA इसी प्रकार A एवं S एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी S क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

A की तारा प्रत्यरि तथा S की तारा साधक हैA A की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही हैA विवाह के उपरांत A कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता हैA उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैंA परिणामस्वरूप S को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता हैA भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

A की योनि अश्व हS तथा S की योनि श्वान हैA अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध हैA अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगाA जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगाA दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता हैA साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगीA दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगाA दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैंA संभव हS कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता हैA बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता हैA वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता हैA जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता हैA इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

की आवश्यकता पड़ेगीA इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगीA अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना हैA जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगीA पारिवारिक आय औसत ही रहेगीA अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगेA पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगेA दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगेA दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती हैA कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगेA जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती हैA आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगीA इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगाA

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में A का राशि स्वामी S के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता हैA जबकि S का राशि स्वामी A के राशि स्वामी के साथ सम रहता हैA अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान हैA ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता हैA दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता हैA ऐसा भी हो सकता हS कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर लेA जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

A का गण देव तथा S का गण मनुष्य हैA अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा हैA अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान हैA जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगेA किंतु S अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक हैA दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

A से S की राशि तृतीय भाव में स्थित हS तथा S से A की राशि एकादश भाव में स्थित हS जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान हैA जिसके कारण A अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगेA दूसरी ओर S सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगीA दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगीA ऐसा प्रतीत होता हS कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नाड़ी

A की नाड़ी आद्य हS तथा S की नाड़ी भी आद्य हैA अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण हैA अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं हैA A एवं S दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैंA ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैंA वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

A की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष हS तथा S की वायुतत्व युक्त मिथुन राशि हैA अग्नि और वायु के परस्पर सम्बन्ध मित्रता के हैं अतः इन दोनों में भी सामान्यतया शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता रहेगी तथा सामान्य मतभेदों के बावजूद जीवन में खुशी एवं प्रसन्नता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगेA

A का राशि स्वामी मंगल तथा S का राशि स्वामी बुध एक दूसरे के शत्रु हैंA यह ग्रह स्थिति दाम्पत्य सुख के लिए विशेष अनुकूल नहीं हैA अतः जीवन में विभिन्न प्रकार के विरोधाभासों का इनको सामना करना पड़ेगा तथा अवसरानुकूल एक दूसरे के प्रति भी वैमनस्य का भाव रखेंगे जिससे जीवन में अनावश्यक अशांति तथा परेशानियां रहेंगीA अतः एक दूसरे की भावनाओं को समयानुसार आदर प्रदान करके ही आप उपरोक्त समस्याओं को कम कर सकते हैंA

A की राशि S की राशि से एकादश तथा A की S से तृतीय भाव में पड़ती हS यह शुभ भकूट हैA इसके प्रभाव से आपकी परस्पर प्रेम एवं स्नेह की भावना में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे को समझने में सफलता प्राप्त करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में किंचित सुख एवं शांति की अनुभूति कर सकते हैंA साथ ही आर्थिक एवं अन्य सुख सुविधाओं का उपभोग करने में भी समर्थ रहेंगेA

A का वश्य चतुष्पद हS तथा S का मानवA इसके प्रभाव से आपकी स्वाभाविक अभिरूचियों में स्पष्ट अंतर दृष्टिगोचर होगा तथा वैवाहिक जीवन में स्नेह एवं सुख में ईर्ष्या के भाव की भी उत्पति होने की संभावना रहेगीA यदि A, S की स्वतंत्र प्रेम प्रवृति को समझ सकें तथा S भी A की काम भावनाओं का आदर करें तो इनका जीवन सुखमय हो सकता हैA

A का वर्ण क्षत्रिय हS जिससे वह साहसी एवं पराक्रमी पुरूष होंगे तथा S का वर्ण शूद्र हS इसके प्रभाव से वह कर्तव्य परायण होगी तथा किसी भी प्रकार के कार्य में विशेष रूचि का प्रदर्शन करके उसे करने में तत्पर हो जाएंगी।

धन

A और S की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगीA अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगेA A और S की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैA यह शुभ भकूट माना जाता हैA इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगीA साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगाA अतः धनार्जन होता रहेगा।

S एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगीA यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता हैA साथ ही पैतृक सम्पति या

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

A और S दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैA अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगाA इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा S भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगीA साथ ही मंगल के प्रभाव से भी A हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते हैA इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगाA अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से A और S का मिलान उत्तम रहेगाA इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगाA साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगीA इसके अतिरिक्त A और S के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में S के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन S को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिएA प्रसव काल में S को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगीA साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से A और S सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगेA साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगाA माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगेA इस प्रकार A और S का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

S के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगीA साथ ही S यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में S को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगीA परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार S को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

A तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगीA यदि A तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में A के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगाA साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगेA साथ ही वे भी A को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगेA A समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण A के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

लग्न फल

A

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न, मकर नवमांश एवं मिथुन राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा आभास मिल रहा है कि आपका जीवन आरामदायक एवं संतोषप्रद रहेगा। आप अपने जीवन में बहुत कुछ उपार्जन कर अपना भंडार पूर्ण करेंगे।

आप अपने गृहस्थ जीवन में बहुत अधिक प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। आप सौभाग्य युक्त उत्तम पत्नी एवं अपनी योग्य संतान प्राप्ति का गर्व होगा। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नतम एवं शांतिमय बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन का व्यय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की अभिलाषा के अनुरूप सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे।

यह आशा है कि कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार आप धनवान होकर, सुखद जीवन यापन करेंगे। मुख्यतः आपके जीवन के 28 वें वर्ष से आप अपने कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त कर के प्रतिष्ठा, शक्ति एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप विश्वसनीयता पूर्वक जिस कार्य उद्देश्य के पीछे समर्पित हैं। उस स्रोत से सफलता प्राप्ति हेतु आपको धैर्य धारण कर दृढ़तापूर्वक कार्यरत रहना पड़ेगा। आप निष्पक्ष भाव से कठिन श्रम करेंगे, तब ही आप जिस कार्य-प्रस्ताव पर हस्ताक्षरित करेंगे उस कार्य में सफल हो सकते हैं।

जन सामान्य आपकी आक्रमणशील भाव एवं बात-चीत के कारण आपकी अभिरूचि को आपकी गलती समझकर आपको बुनियादी गुण एवं विश्वासनीयता एवं स्पष्ट कार्य शौली से अनभिज्ञ रह कर आपकी मनोवृति को गलत समझेंगे। जब कभी अपने प्रतिद्धंदी से भेद-भाव रखेंगे तब वे आपकी शक्ति को मात्र प्रतिकारी एवं आपके नितृत्व को सफलता हेतु उपर उठना समझेंगे।

आप सदैव अन्यों की अपेक्षा दूरवर्त्ती सीमा से भी आगे आने के लिए नवीनतम रूप रेखा तैयार करेंगे। आपका अपना अलग ही रास्ता चिंतन और व्यवहार शक्ति है, जिससे आप हतोत्साहित नहीं होंगे। एक बार जब आप अपने अच्छे विचार से किसी कार्य को कार्यानुरूप उपयुक्त समझ लेंगे। पुनः उसको कार्यरूप दे देंगे। आप निरर्थक रूप से किसी भी कार्य में आगे-पीछा (हिचकिचाहट) करना बेकार समझ कर आप नैतिकता के आधार पर उस कार्य को पूर्ण रूपेण उपयुक्त समझ कर विचार करेंगे।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में उपयुक्त एवं अनुकूल कार्य सामान्य ज्ञान का कार्य, पराविज्ञान, ज्योतिष, खगोलीय विद्या, स्थिर विज्ञान एवं वायु यात्रा की एजेंसी आदि से संबंधित कार्य है।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतया निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। परंतु आपको ऐसी

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

संभावना को अंगीकृत कर के चलना चाहिए। आपको कतिपय रोगादि जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, गांठों की जोड़, गठिया-वायु, रक्तचाप एवं हृदय संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसी पूरी संभावना है कि आप निश्चित रूप से किसी प्रकार की दुर्घटना से पीड़ित हो सकते हैं। क्योंकि आपके साथ किसी भी प्रकार की चोट-जख्म आदि की आशंका है। अतः आपको इन आशंकाओं के प्रति सर्तक रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में उपयुक्त एवं भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग अनुकूल है। परंतु नारंगी, हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा त्यागनीय है।

S

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक महिला हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझती हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझती हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहती। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने को कोई अधिक महत्व नहीं देती हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगी। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगी। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगी।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानती हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक को किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाए। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करती हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप का परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगी। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगी। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपने पति एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगी।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगी। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

A

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभावश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा। यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा।

दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगे एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा के रहेंगे एवं पुरानी रूढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगे। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे। आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगे, जिनमें यात्रा के अवसर मिलते रहें।

अतीन्द्रिय ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगे वहीं आपको स्वप्न भी अद्भुत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

S

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभाववश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा।

यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा। दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगी एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा की रहेंगी एवं पुरानी रूढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगी। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे।

आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगी जिनमें यात्रा के अवसर अधिक मिलते रहें। अतीन्द्रिय

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगी वहीं आपको स्वप्न भी अद्भूत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

A

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

S

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com